महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

(शिक्षा मन्त्रालय भारत सरकार के अधीन स्वायत्तशासी संस्था)

Maharshi Sandipani Rashtriya Vedavidya Pratishthan

(An autonomous organisation under Ministry of Education, Govt. of India)

पत्र सं. -18-2/2023(प्र.वि.)/मसारावेविप्र/ दिनांक 30-08-2024

परिपत्र 1521

विषय :- दिनांक 01 से 15 सितम्बर, 2024 तक स्वच्छता पखवाड़ा मनाये जाने के संबंध में।

शिक्षा मंत्रालय, उच्चतर शिक्षा विभाग, नई दिल्ली के पत्र क्र. 11014/03/2024-EBSB दिनांक 16-08-2024 के अनुसार दिनांक 01 से 15 सितम्बर, 2024 तक स्वच्छता पखवाड़ा मनाया जाना है। इस पखवाड़े के दौरान प्रतिष्ठान से सम्बद्ध समस्त वेद पाठशालाएँ, गुरुशिष्य परम्परा इकाइयाँ तथा सभी राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालयों में निम्नानुसार गतिविधियों का आयोजन किया जाए :-

1. स्वच्छ और सुव्यवस्थित परिसर हेतु आवास, भोजनशाला, पानी की टंकियाँ तथा शौचालय की साफ-सफाई की जाए।
2. Single Use Plastic का उपयोग न करें।
3. अपने-अपने परिसर में वृक्षारोपण करें। पेड़ों की सूखी पत्तियों का उपयोग खाद बनाने में करें।
4. छात्रावास में किसी भी प्रकार के खाद्य पदार्थों का अपव्यय अथवा नुकसान न करें। बचे हुए भोजन का उपयोग खाद बनाने में करें। भण्डारगृह की नियमित सफाई करें।
5. छात्रों को दैनिक जीवन में स्वच्छता के महत्त्व को बताते हुए साफ-सफाई रखने और स्वच्छता के अच्छे तरीकों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित और प्रेरित किया जाए।
6. छात्रों को शौचालय और पेयजल व्यवस्था का स्वच्छ तरीके से उपयोग करना सीखाएं।
7. छात्रों को स्वच्छ भारत गीत के साथ-साथ गीले कचरे व सूखे कचरे से अवगत कराएं व इसे अलग-अलग रंग के कूड़ेदान में डालने की जानकारी प्रदान करें।
8. स्वच्छ भारत मिशन के अन्तर्गत स्वच्छता शपथ ली जाए (जिसकी प्रति संलग्न है)।
9. इस पखवाड़े के दौरान स्वच्छता पर चित्रकला/निबंध लेखन/नारा लेखन/कविता पाठ/प्रश्नोत्तरी आदि प्रतियोगिताएँ आयोजित की जा सकती है।
10. स्वच्छता संबंधी जागरूकता हेतु हस्ताक्षर अभियान चलाया जाए।
11. स्वच्छता प्रबंधन के लिए स्वच्छता संबंधी दृश्य एवं श्रव्य कार्यक्रम दिखाएं।

संलग्न :- यथोक्त।

प्रशासन
Administration

30/08/24

(लवी त्यागी)

सहायक निदेशक (प्रशा. एवं स्था.)

प्रतिलिपि :-

1. प्रतिष्ठान से सम्बद्ध समस्त वेद पाठशालाओं, गुरुशिष्य परम्परा इकाइयों एवं राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालयों को सूचनार्थ एवं पालनार्थ हेतु प्रतिष्ठान की वेबसाइट पर प्रकाशनार्थ।
2. कार्यालय आदेश नस्ती। 3. संबंधित पत्रावली।

2024/8/30 18:24

स्वच्छता शपथ

महात्मा गांधी ने जिस भारत का सपना देखा था उसमें सिर्फ राजनैतिक आजादी ही नहीं थी, बल्कि एक स्वच्छ एवं विकसित देश की कल्पना भी थी।

महात्मा गांधी ने गुलामी की जंजीरों को तोड़कर माँ भारती को आज़ाद कराया।

अब हमारा कर्तव्य है कि गंदगी को दूर करके भारत माता की सेवा करें।

मैं शपथ लेता हूं कि मैं स्वयं स्वच्छता के प्रति सजग रहूंगा और उसके लिए समय दूंगा।

हर वर्ष 100 घंटे यानी हर सप्ताह 2 घंटे श्रमदान करके स्वच्छता के इस संकल्प को चरितार्थ करूंगा।

मैं न गंदगी करूंगा न किसी और को करने दूंगा।

सबसे पहले मैं स्वयं से, मेरे परिवार से, मेरे मुहल्ले से, मेरे गांव से एवं मेरे कार्यस्थल से शुरुआत करूंगा।

मैं यह मानता हूं कि दुनिया के जो भी देश स्वच्छ दिखते हैं उसका कारण यह है कि वहां के नागरिक गंदगी नहीं करते और न ही होने देते हैं।

इस विचार के साथ मैं गांव-गांव और गली-गली स्वच्छ भारत मिशन का प्रचार करूंगा।

मैं आज जो शपथ ले रहा हूं, वह अन्य 100 व्यक्तियों से भी करवाऊंगा।

वे भी मेरी तरह स्वच्छता के लिए 100 घंटे दें, इसके लिए प्रयास करूंगा।

मुझे मालूम है कि स्वच्छता की तरफ बढ़ाया गया मेरा एक कदम पूरे भारत देश को स्वच्छ बनाने में मदद करेगा।

***

Swachhta Pledge

Mahatma Gandhi dreamt of an India which was not only free but also clean and developed.

Mahatma Gandhi secured freedom for Mother India.

Now it is our duty to serve Mother India by keeping the country neat and clean.

I take this pledge that I will remain committed towards cleanliness and devote time for this.

I will devote 100 hours per year that is two hours per week to voluntary work for cleanliness.

I will neither litter nor let others litter.

I will initiate the quest for cleanliness with myself, my family, my locality, my village and my work place.

I believe that the countries of the world that appear clean are so because their citizens don't indulge in littering nor do they allow it to happen.

With this firm belief, I will propagate the message of Swachh Bharat Mission in villages and towns.

I will encourage 100 other persons to take this pledge which I am taking today.

I will endeavour to make them devote their 100 hours for cleanliness.

I am confident that every step I take towards cleanliness will help in making my country clean.